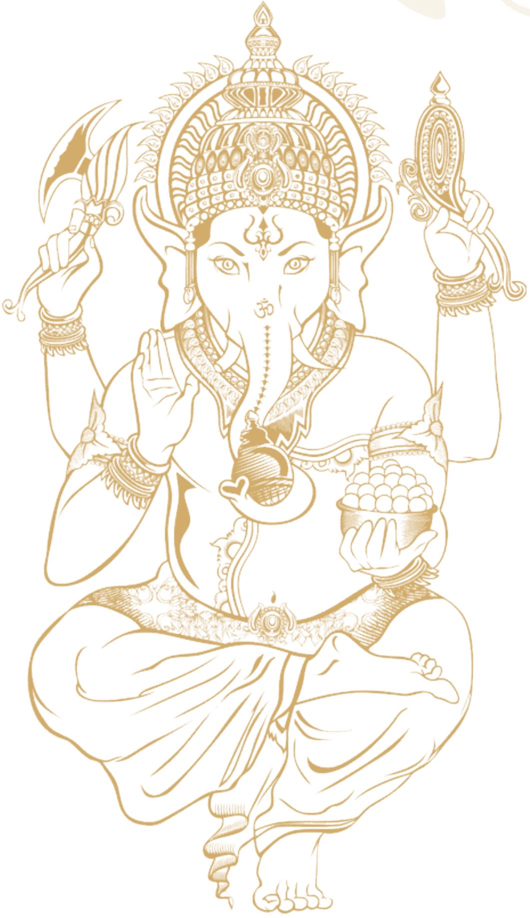

Sahil jatt

03 Jul 1996

10:10 AM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121878504

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **03/07/1996**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	: **10:10:00 घंटे**
इष्ट	: 11:49:52 घटी
स्थान	: **Kurukshetra**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:59:00 उत्तर
रेखांश	: 76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 09:47:24 घंटे
वेलान्तर	: -00:04:13 घंटे
साम्पातिक काल	: 04:33:21 घंटे
सूर्योदय	: 05:26:03 घंटे
सूर्यास्त	: 19:27:26 घंटे
दिनमान	: 14:01:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 17:43:20 मिथुन
लग्न के अंश	: 17:21:25 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	: **मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
योग	: विष्कुम्भ
करण	: वणिज
गण	: देव
योनि	: वानर
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	17:21:25	312:15:39	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	---
सूर्य			मिथु	17:43:20	00:57:11	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	सम राशि
चंद्र			मक	16:40:07	15:05:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	20:43:08	00:41:45	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	मिथु	07:59:59	02:04:33	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	स्वराशि
गुरु	व		धनु	19:07:12	00:07:41	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			वृष	17:58:56	00:02:06	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			मीन	13:22:58	00:01:35	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	18:46:41	00:08:45	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	18:46:41	00:08:45	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	09:39:06	00:02:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	02:58:11	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:54:27	00:01:08	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	16:10:10	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:34

लग्न-चलित

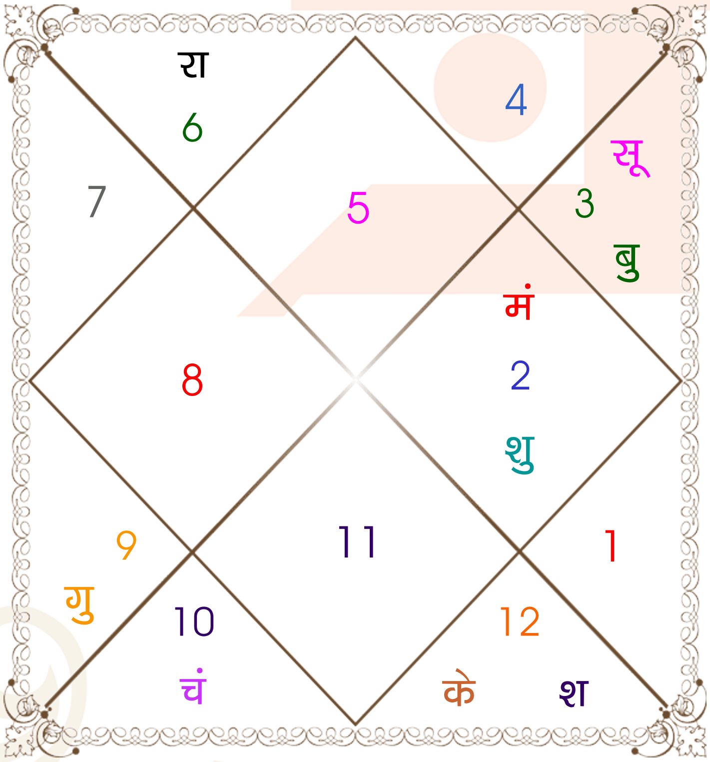

चन्द्र कुंडली

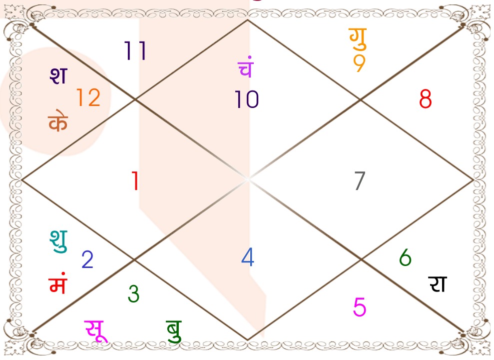

नवमांश कुंडली

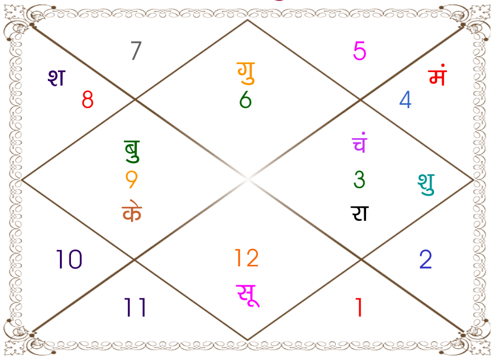

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 11 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
03/07/1996	**03/07/2001**	**02/07/2008**	**03/07/2026**	**03/07/2042**
03/07/2001	**02/07/2008**	**03/07/2026**	**03/07/2042**	**03/07/2061**
00/00/0000	मंगल 29/11/2001	राहु 16/03/2011	गुरु 20/08/2028	शनि 06/07/2045
00/00/0000	राहु 17/12/2002	गुरु 08/08/2013	शनि 03/03/2031	बुध 15/03/2048
00/00/0000	गुरु 23/11/2003	शनि 14/06/2016	बुध 08/06/2033	केतु 24/04/2049
03/07/1996	शनि 01/01/2005	बुध 02/01/2019	केतु 15/05/2034	शुक्र 23/06/2052
शनि 03/05/1997	बुध 29/12/2005	केतु 20/01/2020	शुक्र 13/01/2037	सूर्य 05/06/2053
बुध 02/10/1998	केतु 27/05/2006	शुक्र 20/01/2023	सूर्य 01/11/2037	चंद्र 05/01/2055
केतु 03/05/1999	शुक्र 27/07/2007	सूर्य 14/12/2023	चंद्र 03/03/2039	मंगल 13/02/2056
शुक्र 01/01/2001	सूर्य 02/12/2007	चंद्र 14/06/2025	मंगल 07/02/2040	राहु 20/12/2058
सूर्य 03/07/2001	चंद्र 02/07/2008	मंगल 03/07/2026	राहु 03/07/2042	गुरु 03/07/2061

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
03/07/2061	**03/07/2078**	**03/07/2085**	**04/07/2105**	**04/07/2111**
03/07/2078	**03/07/2085**	**04/07/2105**	**04/07/2111**	**00/00/0000**
बुध 29/11/2063	केतु 29/11/2078	शुक्र 01/11/2088	सूर्य 21/10/2105	चंद्र 04/05/2112
केतु 25/11/2064	शुक्र 29/01/2080	सूर्य 01/11/2089	चंद्र 22/04/2106	मंगल 03/12/2112
शुक्र 26/09/2067	सूर्य 05/06/2080	चंद्र 03/07/2091	मंगल 28/08/2106	राहु 03/06/2114
सूर्य 02/08/2068	चंद्र 04/01/2081	मंगल 01/09/2092	राहु 22/07/2107	गुरु 03/10/2115
चंद्र 01/01/2070	मंगल 02/06/2081	राहु 02/09/2095	गुरु 10/05/2108	शनि 04/07/2116
मंगल 29/12/2070	राहु 21/06/2082	गुरु 03/05/2098	शनि 22/04/2109	00/00/0000
राहु 18/07/2073	गुरु 28/05/2083	शनि 04/07/2101	बुध 26/02/2110	00/00/0000
गुरु 24/10/2075	शनि 05/07/2084	बुध 04/05/2104	केतु 04/07/2110	00/00/0000
शनि 03/07/2078	बुध 03/07/2085	केतु 04/07/2105	शुक्र 04/07/2111	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।